



## प्रेस विज्ञप्ति

### शीर्षक: टिकाऊ निर्माण के लिए स्टील स्लैग के साथ कंक्रीट के यांत्रिक गुणों को बढ़ाने पर अध्ययन।

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज के सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट ने हाल ही में टिकाऊ निर्माण प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए स्टील स्लैग के साथ कंक्रीट के यांत्रिक गुणों को बढ़ाने पर एक अभिनव अध्ययन किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य पारंपरिक कंक्रीट सामग्री के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए उसके प्रदर्शन में सुधार करना है। स्टील स्लैग, जो इस्पात उत्पादन का एक उपोत्पाद है, को कंक्रीट में मिलाकर इसके स्थायित्व और शक्ति को बढ़ाने की संभावना पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रारंभिक परिणामों से पता चलता है कि स्टील स्लैग का उपयोग न केवल कंक्रीट के यांत्रिक गुणों को बढ़ा सकता है बल्कि इसे पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल विकल्प भी बना सकता है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्राध्यापक ऋषभ कश्यप, मुकुल सक्सेना एवं अरस्तू गौतम ने बताया कि "स्टील स्लैग का उपयोग एक प्रभावी समाधान है जो न केवल अपशिष्ट प्रबंधन में मदद करता है बल्कि कंक्रीट निर्माण की लागत और पर्यावरणीय प्रभाव को भी कम करता है।" यह अध्ययन निर्माण उद्योग में हरित प्रथाओं को अपनाने के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता कम होगी और निर्माण स्थलों पर अपशिष्ट को प्रबंधित करने में मदद मिलेगी। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज के सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट की टीम पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखते हुए, इस क्षेत्र में और अधिक शोध करने की योजना बना रही है। इस दिशा में अन्य सहयोगियों और निर्माण कंपनियों के साथ काम करने की उम्मीद की जा रही है।

(मीडिया प्रभारी)

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज,  
कन्नौज